https://previouspaper.in

Law (Code-13)

विधि (कोड–13)

Time : 3 Hours **M.M. : 150**

समय : 3 घंटे अधिकतम अंकः 150

Note: i)Attempt five questions. All questions carry equal marks. Question number 1 is compulsory. Answer any two questions from Part I and two questions from Part II. The parts of the same questions must be answered together and must not be interposed between answers to other questions.
ii) In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

नोट : i) पाँच प्रश्न हल करें। सभी के अंक समान है। प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। भाग 1 से दो प्रश्नो तथा भाग 2 से दो प्रश्नो का उत्तर दें। एक प्रश्न के सभी अंशो का उत्तर एक साथ दें। एक प्रश्न के अंशो का उत्तर दूसरे प्रश्न के अंशो के मध्य न ले जाये।
ii) यदि अंग्रेजी एवं हिन्दी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा।

Q.1 Write critical notes on **any four** of following with the help of decided cases: (4x 7.5=30)

निर्णीत मामलों की सहायता से निम्न में से **किन्हीं चार** पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखें :

a) Definition and nature of contract of sale under the Sales of Goods Act, 1930
माल विक्रय अधिनियम, 1930 के अंतर्गत बिक्री के अनुबंध की परिभाषा एवं प्रकृति

b) The law relating to bouncing of cheques for insufficiency of funds in the accounts
बैंक के खाते मे पर्याप्त धन राशि ना होने पर चेक के वापस हो जाने से संबंधित कानून

c) Discuss the provision relating to admissibility of secondary evidence under the Indian Evidence Act.
भारतीय साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत द्वितीयक साक्ष्य की ग्राह्यता

d) Principle of absolute liability under the Law of Torts
दुष्कृति विधि मे आत्यांतिक दायित्व का सिद्धान्त

e) Discuss the ingredients that lead to the formation of contact under the Indian Contract Act, 1872
भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 के अंतर्गत संविदा बनने के मुख्य तत्व

f) What is the distinction between 'Commutation' under section 55 of IPC, 1860 and 'Remission' under section 433 of CrPC, 1973?
भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 'न्यूनीकरण' और 'दण्ड का परिहार' दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के मध्य अंतर

*****

https://previouspaper.in
ote: The information provided here is only for reference.This may vary the original

https://previouspaper.in

Part – I

भाग - 1

Q. 2 Article 13 is a protective provision as it gives teeth to the Fundamental Rights and makes them justiciable. It is a protective provision and an index of the importance & preference that the framers of the constitution made. In the light above statements discuss Article 13 and its importance with the help of case laws. Analysis this (30)

संविधान का अनुच्छेद 13 एक रक्षक प्रावधान है भारतीय, जो मौलिक अधिकारों को मजबूती प्रदान करता है तथा उन्हें वाद योग्य बनता है। संविधान निर्माताओं ने एक रक्षक प्रावधान के रूप इसे एक विशेष महत्ता तथा प्राथमिकता दी है। इस कथन के परिप्रेक्ष्य मे उचित मामलों की सहायता से अनुच्छेद 13 का विश्लेषण एवं महत्व प्रस्तुत करें।

Q.3 What do you mean by intervention as a lawful recourse to force? Discuss in detail, the various kinds of intervention. Also explain, as to whether the United States- led coalition forces were justified in invading Iraq on the grounds of humanitarian intervention? (30)

शक्ति प्रयोग के एक विधि सम्मत विकल्प के रूप मे 'हस्तक्षेप' से आप क्या समझते है। हस्तक्षेप के विभिन्न प्रकारों की व्याख़्या करें। क्या मानवीय आधार पर संयुक्त राष्ट्रअमेरिका सम्मित बलों द्वारा इराक पर आक्रमण करना न्यायोचित था?

Q.4 Article 14 forbids class legislation, however, it does not forbid reasonable classification of pennons, objects & transactions by the legislature for the purpose of achieving specific ends. Discuss the concept of "reasonable classification" and substantiate your answer with the help of various case laws. (30)

अनुच्छेद 14 वर्ग आधारित विधि का निषेध करता है, किन्तु विशिष्ट उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए यह व्यक्तियों, उद्देश्यों तथा कार्यों के सम्पादन मे 'उचित वर्गीकरण' को निषेध नहीं करता। 'उचित वर्गीकरण' की अवधारणा की व्याख्या उचित मामलों के उल्लेख सहित प्रस्तुत करें।

******

https://previouspaper.in

Note: The information provided here is only for reference.This may vary the original

https://previouspaper.in

Part – II

भाग - 2

Q. 5 In the words of Sir Frederick Pollock, there are "the rules of immunity which limit the rules of liability" in the Law of Torts. Discuss these justifications on defenses from civil liability in detail. (30)

सर फ्रेडरिक पौलाक के शब्दों में, दुष्कृति विधि में कुछ नियम हैं जो दायित्व की विधि को सीमित करते हैं सिविल दायित्व में इन औचित्यों की व्याख्या करें।

Q.6 Discuss the provision relating to "dying declaration" under the Law of Evidence. What happens when there are more than one dying declarations of the same person? Also discuss the legal principles governing a dying declaration as summed up by the Supreme Court in Satbir vs. Govt. of (NCT of Delhi), 2010. (30)

साक्ष्य अधिनियम के अंतर्गत 'मृत्यु कालिक कथन' की व्याख्या करें। यदि एक ही व्यक्ति द्वारा एक से अधिक 'मृत्यु कालिक कथन' किये जाते हैं तो क्या स्थिति होगी। प्रयुक्त विधि सिद्धांतो का भी उल्लेख करें जैसा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा सतबीर वि. दिल्ली एन.सी.टी. शासन, 2010 में उल्लेखित किया गया था।

Q.7 What are the essential ingredients of culpable homicide as per section 299 of Indian Penal Code? Also explain the term "whoever causes death" under section 299 of IPC with the help of case laws. (30)

भारतीय दण्ड संहिता कि धारा 299 के अनुसार आपराधिक मानव वध के आवश्यक तत्व क्या हैं? निर्णीत मामलों की सहायता से इस धारा में प्रयुक्त शब्द "जो कोई मृत्यु कारित करता हैं" कि व्याख्या करें।

******

https://previouspaper.in

ote: The information provided here is only for reference.This may vary the original